

2437

ASHA ARCHIVES

श्री ४५०७११

1345

अथ सीरुग को

कपाहदुषेको ॥ हींग भाग - ५ गजु को पाहो भाग - ५

दुइ थोक हाही श्री धंदो चोती बंदन हाप है हाउनु कपा
हादुषेको नीको हंघ

वाषीको दुइ माकु बीहा चोती हाउनु कपाहदुषेको नी
को हंघ -

कुमकुम भाग - ५ पञ्चु का दो का भाग - ५ चो वैनी समी हाउ

गाउत सगन हादीनु झा आसार कपाह रोग उंघ
उहा स्नान वो जी स्नान सम भाग वरावर सी अहा थो माने को नी
नाव पाय के असा नेन स्या क राग सव कह नास -

कपाह भीत्र को रापरी दुषेको ॥ अस्वार को पात वो का मु
वानु वरावर सी हाइ नीहामु मा भारी तमा सुकावा उनु नाक
पात कुवा नी का तनु २३ दीन मा की रास वै रु रानी को हंघ -

सुनी कन पातु वेदु मे यवने
मलब दे श्री तुला समता हनेद — कथुर पान कार

पेती बुद २।३ काही सावले सजवे फल दाही दीनु दीन ३ मा
नी को हिंद —

भीत्र वाही र का प्रकी बली रा प्रती भै प्री प व गी आपे का लाइ
समुद फल समुद के न त्री स पानी मा चो ती बुद २।३ साज वे ह

न हाही दीनु दीन ३ मानी को हिंद —
भीत्र काउ भै र गत प्री प नी स को का लाइ मा फुरी भी उ डि बुद

२।३ हाही दीनु नी को हिंद
सुनी पे को प नी न दे श्री ने र गत प नी न का न्ये का उ प्र मा न

दे श्री शत दीन मार्क प्री उ दी न्ये मा सी उ दी को प्र ही पात लाइ
आग मा से का इ ले स कार स नी चो टी बुद २।३ हाही दीनु नी को

हिंद —
बली रा का उ को

बली पी ना प्रो ही आग र तु म इ प्री की त हिल का तिल मा
री लाइ रो ह दी ला उ नु स व बली श नी को द — १

अरि रवाथको

भरभीत्रको कह्यो गदी मैदा गरी हो प्रगु नीको कहें
गाइ काची उले साफ से की वसी सके पदी साह उपसा
फमसी नु गरी पीये को कह्यो वाक तो गरी दारी काग
जाता सी काद कसी दी नु नीको कहें
गनो का तसे धव कुरी मुगु शकु कभा ते नी ही त प्रपता
रु सप्रह मादी च करे वी क क क र उ जित ली सि चीर
स्थितो प्रम ॥॥ अस्याने ॥ ॥ गाइ को ची उ सी ये नु न
पी ची सी पी माहा ली ॥ दी न सु ये प्रा क गनु ते ही ची उ द स ॥
अरि रवाथ जा ॥ ॥ ची न ल को को तो भाग - १ च नरी गा
इ को ची उ भाग - १ असल सुरती भाग - १ मुदा वर भाग १
आफ म भाग - १ प्या ज को र स भाग - १ मरी च भाग - १
सोधी भाग - १ असल अर स भाग - १ हो प्र भाग - १ द श प्र
री ग भाग - १ गाइ का गवा ला भाग - १ चे ती धे क नुरो ग र नु
हो प्र ला वा नु च छि सी ला का पत मा हो प्र गरी वा ची दा नु
री को कहें

पेचक पल्लव नको रस चरी आमिली को रसकंठा
पेचक मीठाई दाही नो वले को भपावाम आंखामा डा
पेचको भपादाही ना आंखामा वा वकुं काही सा
वहोरा सी दीनु १२ दीन मानी को हँद — — —

नेत्ररोगका ३

फलाको ओसी १५ पलासुको फलाको रसमा कुवी
रा झको सुदी १ दीन सस भीडाइ मासेनु गरी पहा गरी क
हाम वनाइ आंखामा अडानु गनु नीको हँद — १ —

नेत्रा दाह भपाको ओसी ११ रुई भाग - १ नरो भाग - १ अव
ला भाग - १ भृग राजा भाग - १ कापूर भाग - १ घेती पानी भा
पकाइ दानी सेलाई आंखामा अडानु नीको हँद — —

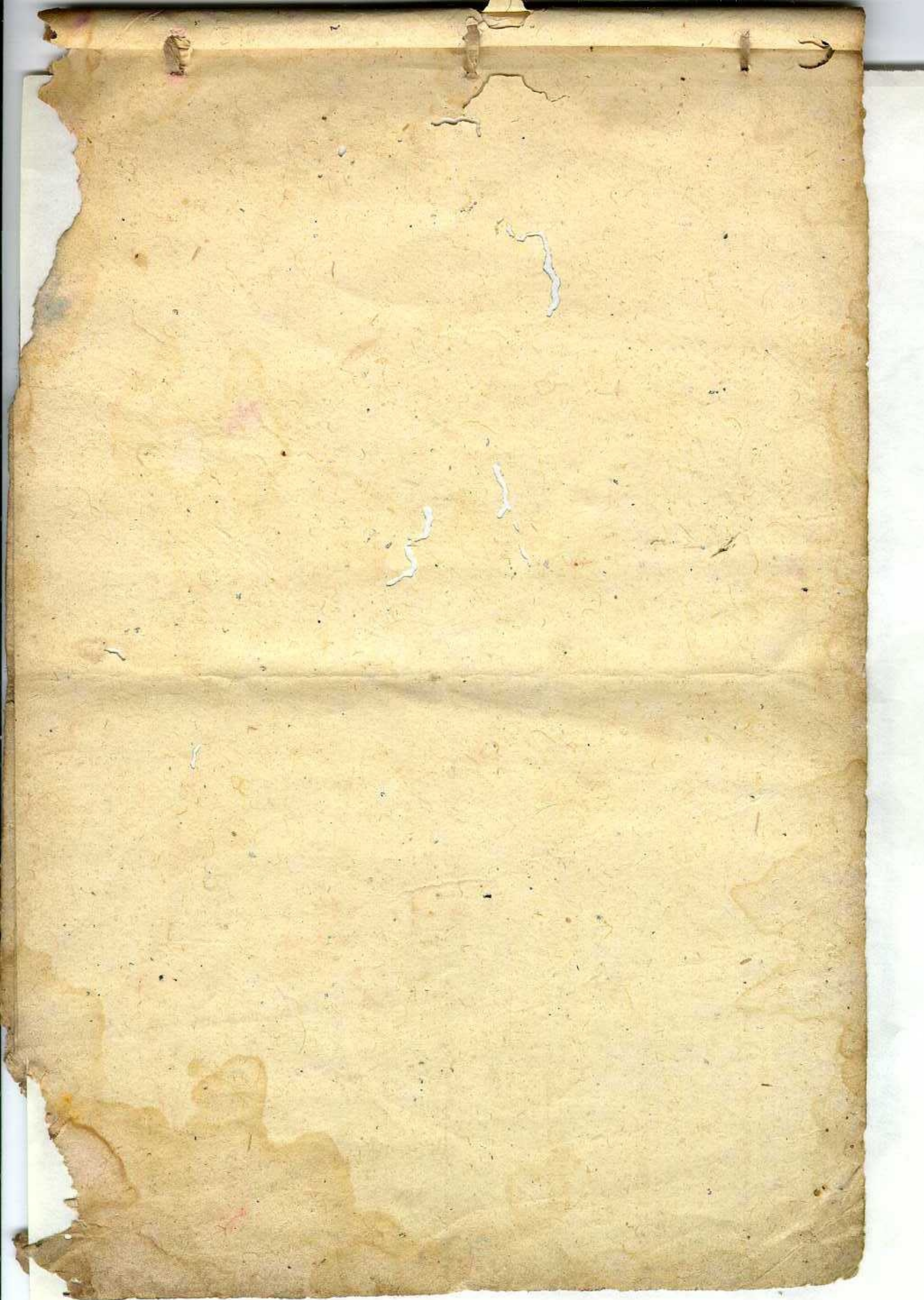
आंखामा अडानु कोषदी १ ॥ सप्रको बीडो हार्द तेल
ने सुदी तोहा १ कपडा ले वेरी वली वाली वाली सके
पदी ही की वीभुत माहा हानु वसदी जीउे मासा
पुलसी पत्र १ फल गीरी रती १ भृगी राजा को रस १
सापको दाना ४ लोण फल १ कदुवा को दूध घेती

जो वचन नीगरी व भुज मानी सी का सको था ह मा
नी जो तेनु जो ती स जो पदो व०० कर प्रा नी हो
कुन सही हृद ॥ १॥

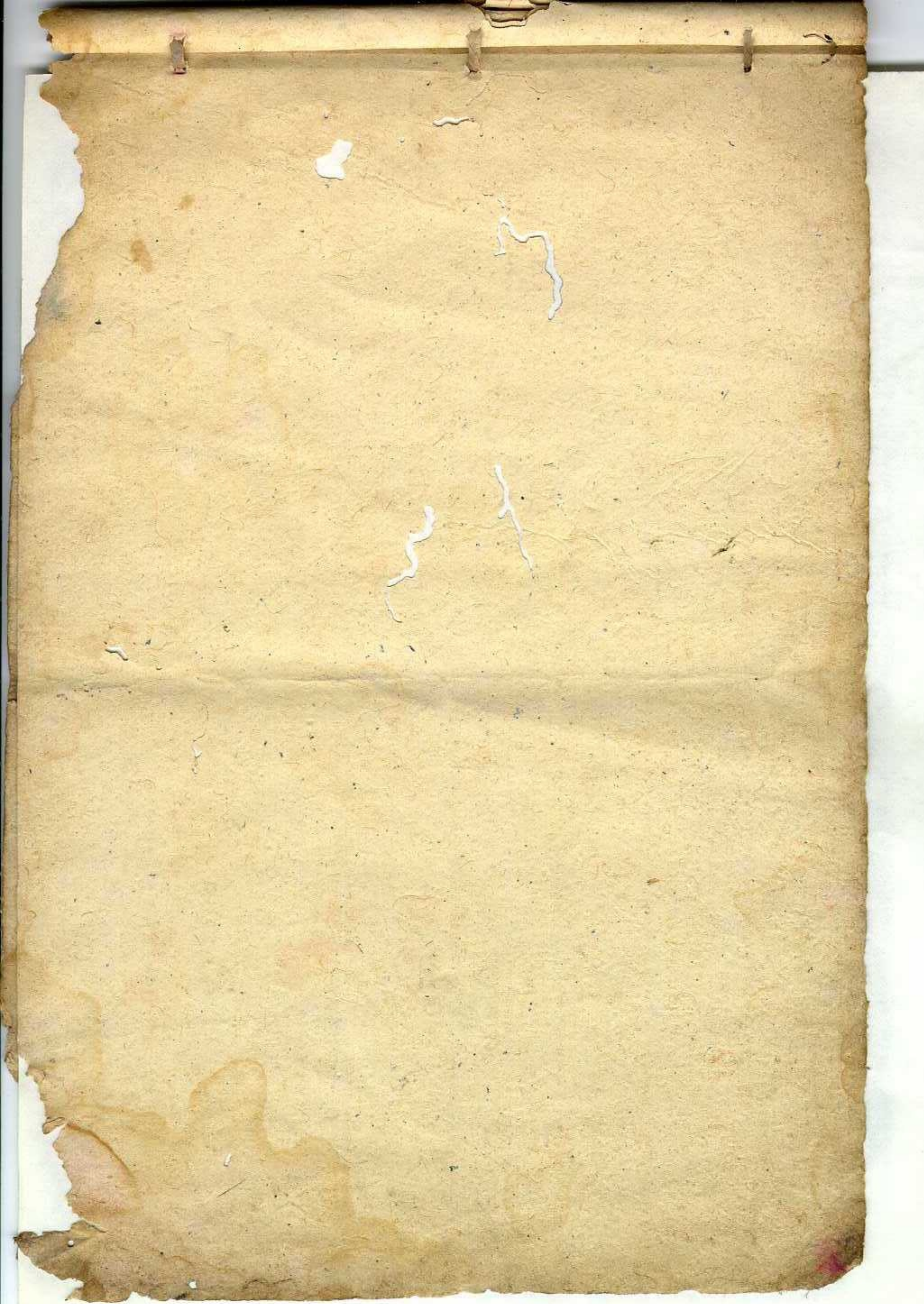
कु हा को ॥ ॥ नो भी संभ भाग - १ हा ती जो नो ग भाग - १
ये ती प्रा नी मा जो ती आषा भी न हा तनु वा द ल फ
हृद व -

आषा को हो प्र ॥ ॥ रसा न भाग - १ वापु रा को हृद सी त जो
ती हा व न नी को हृद - १

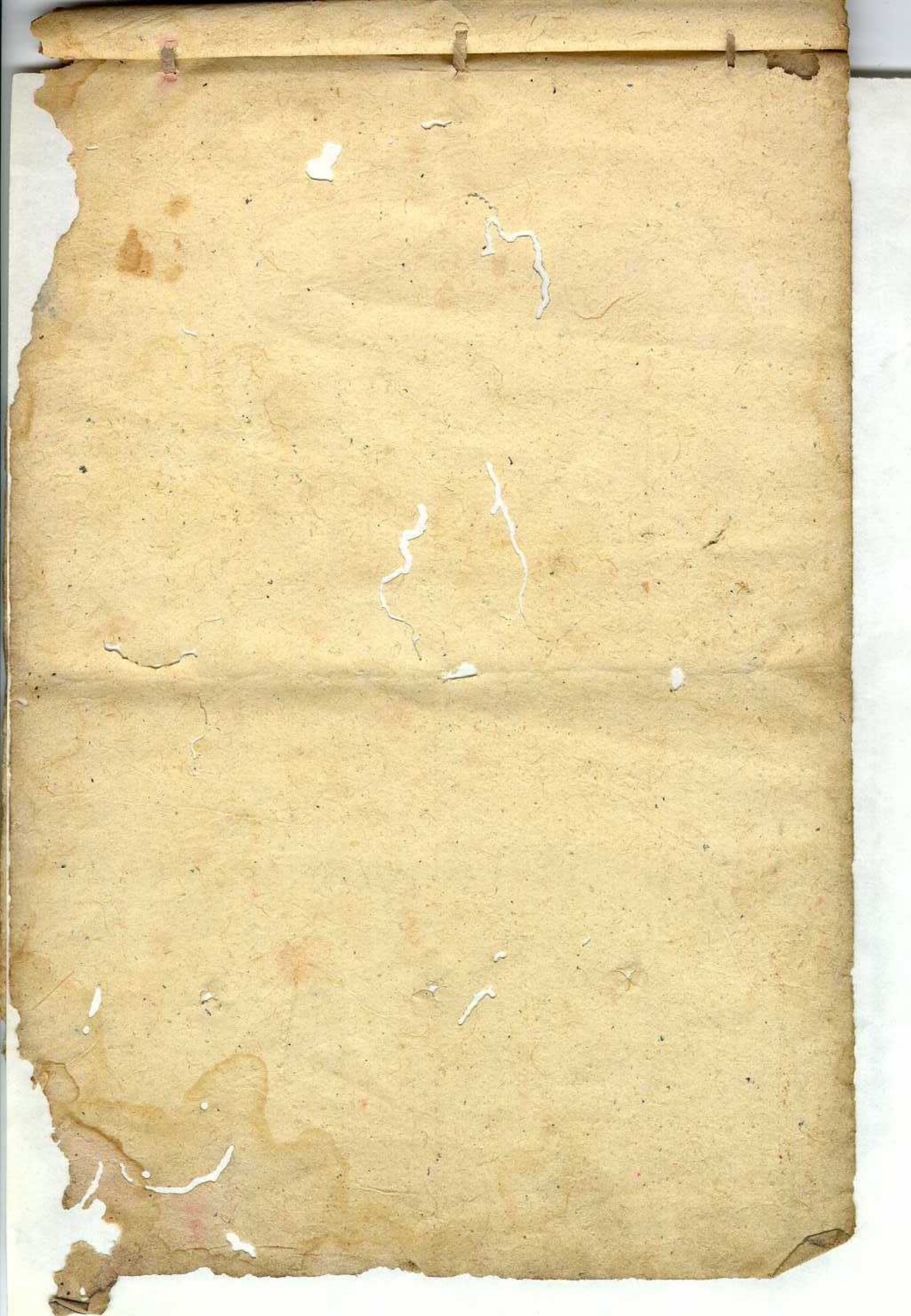
43

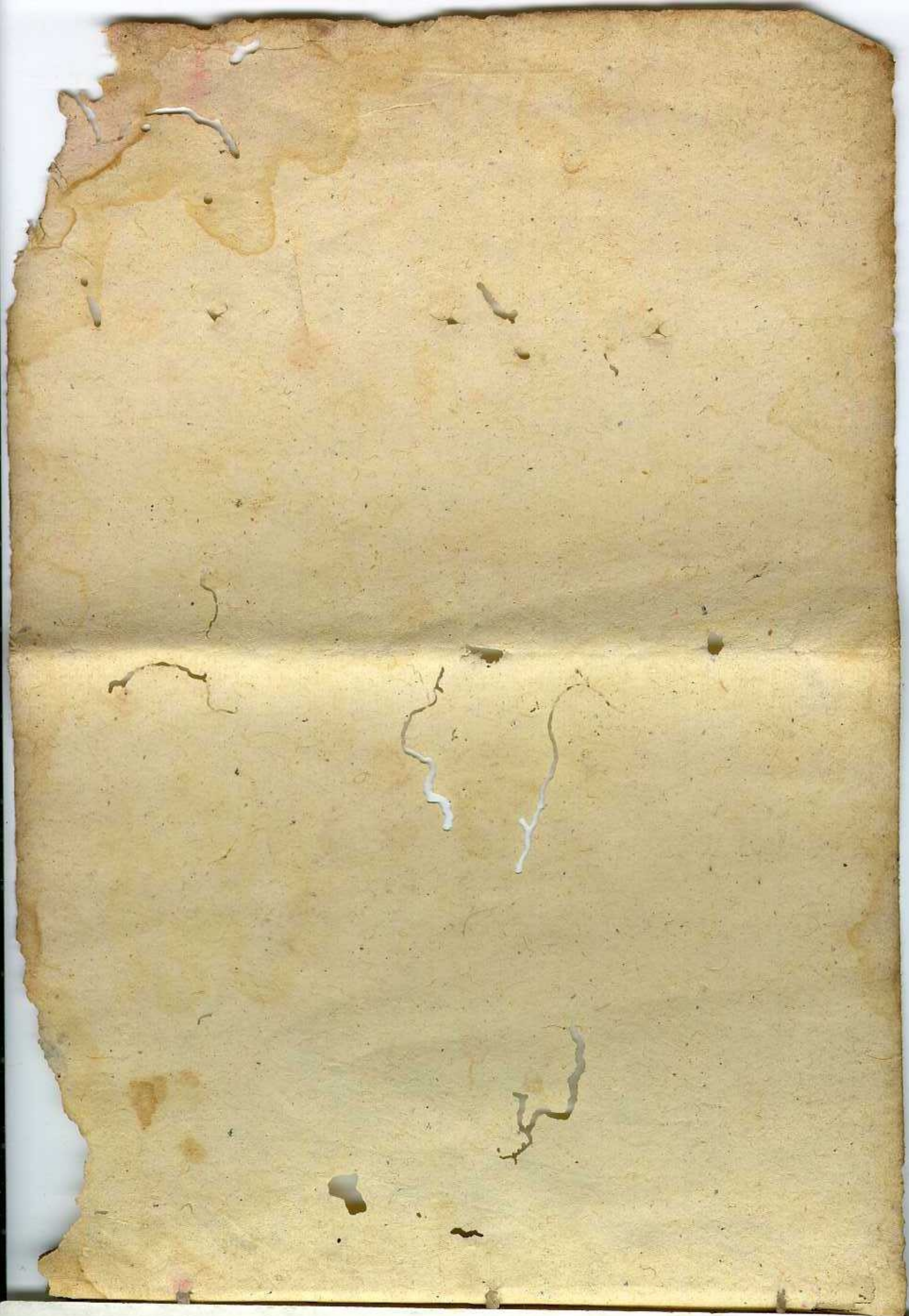


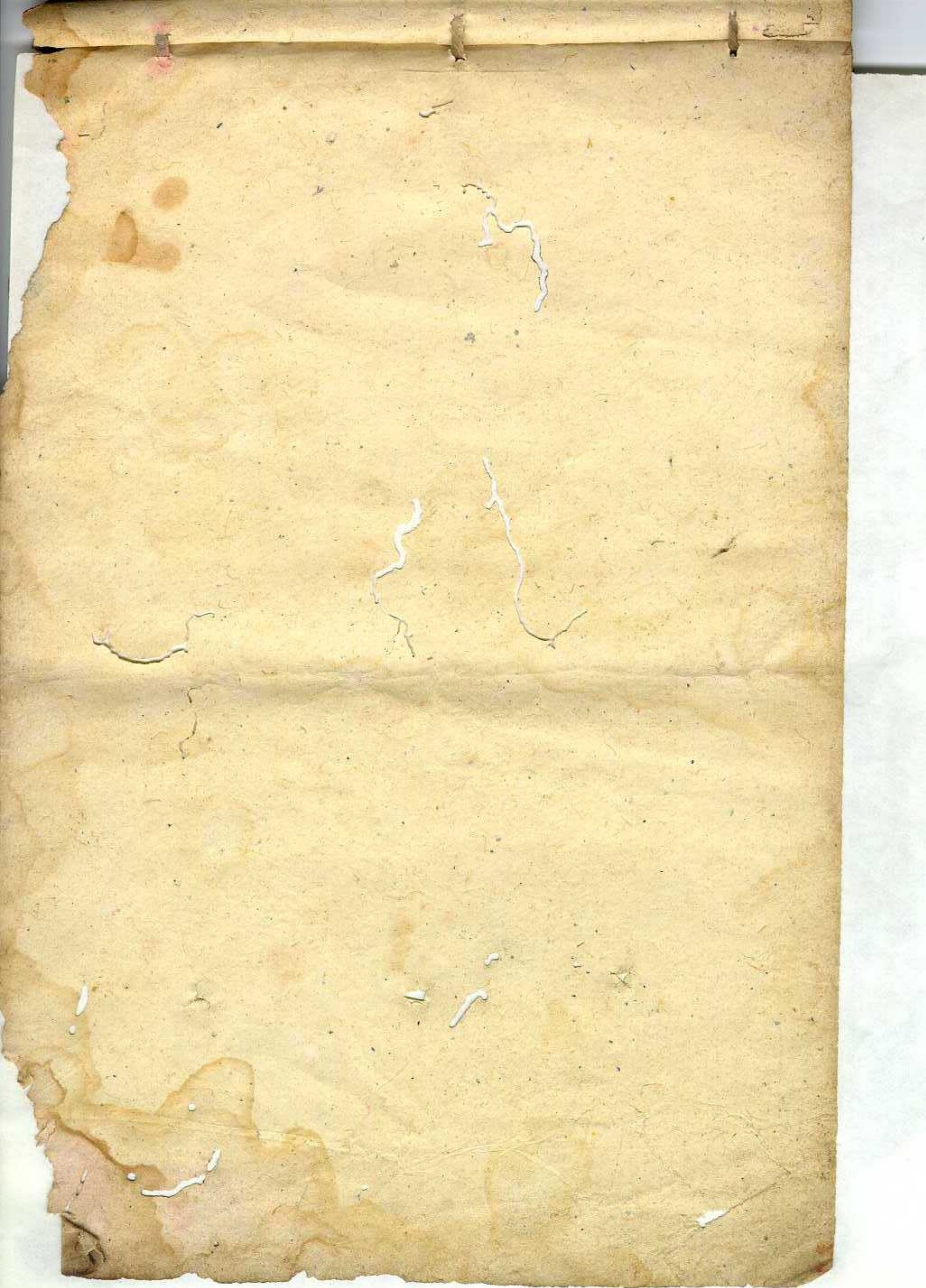
33

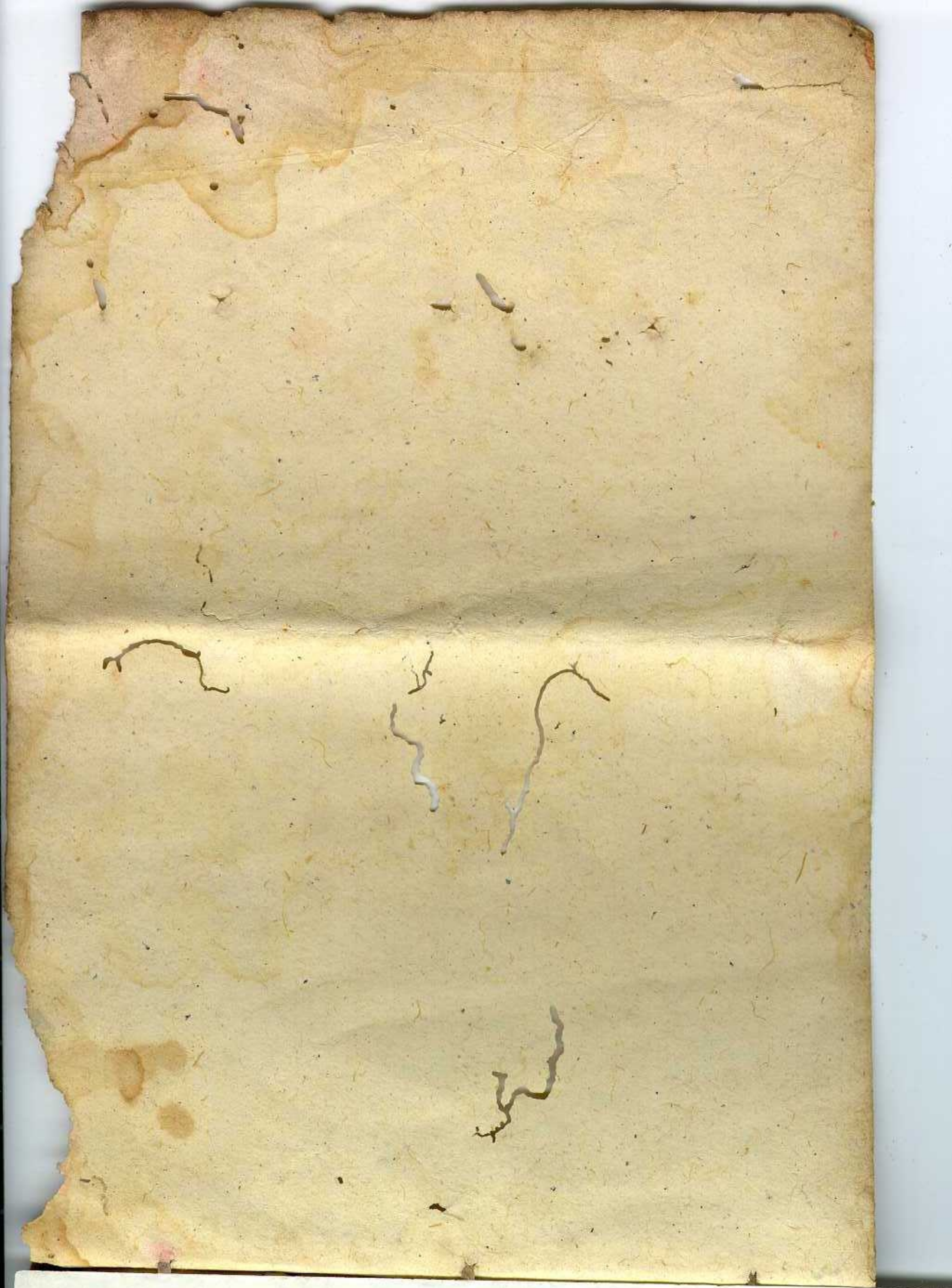


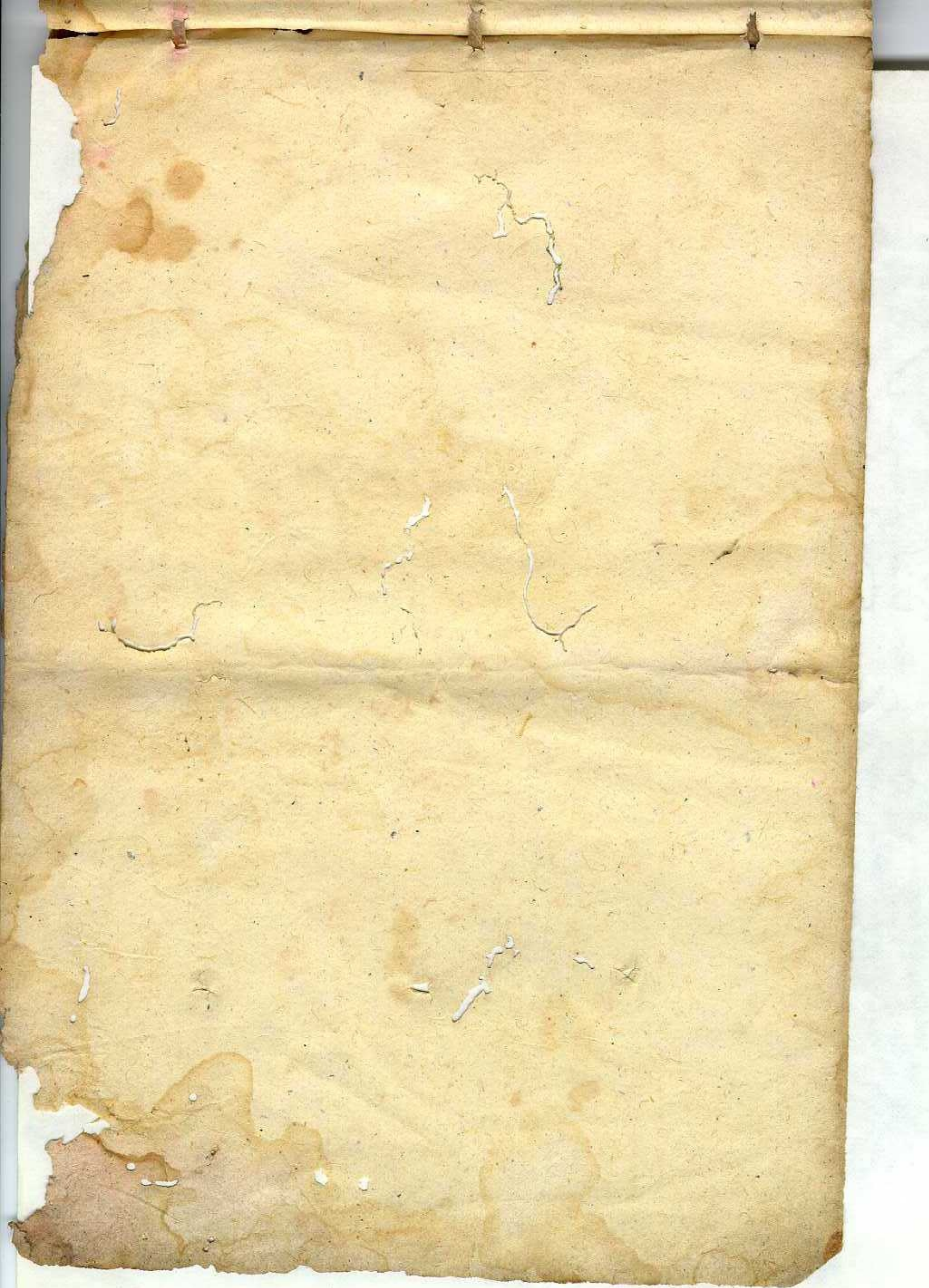
59

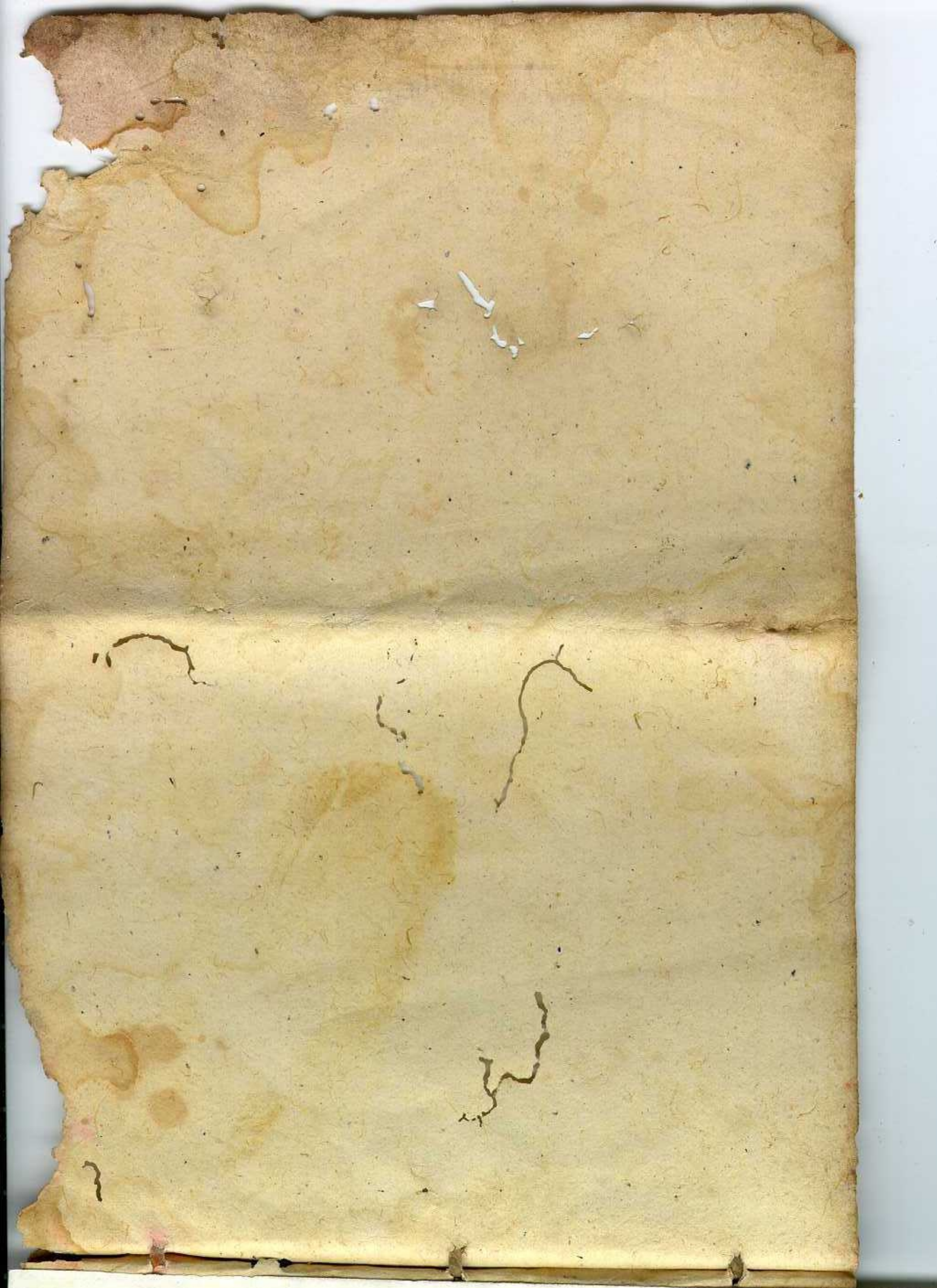


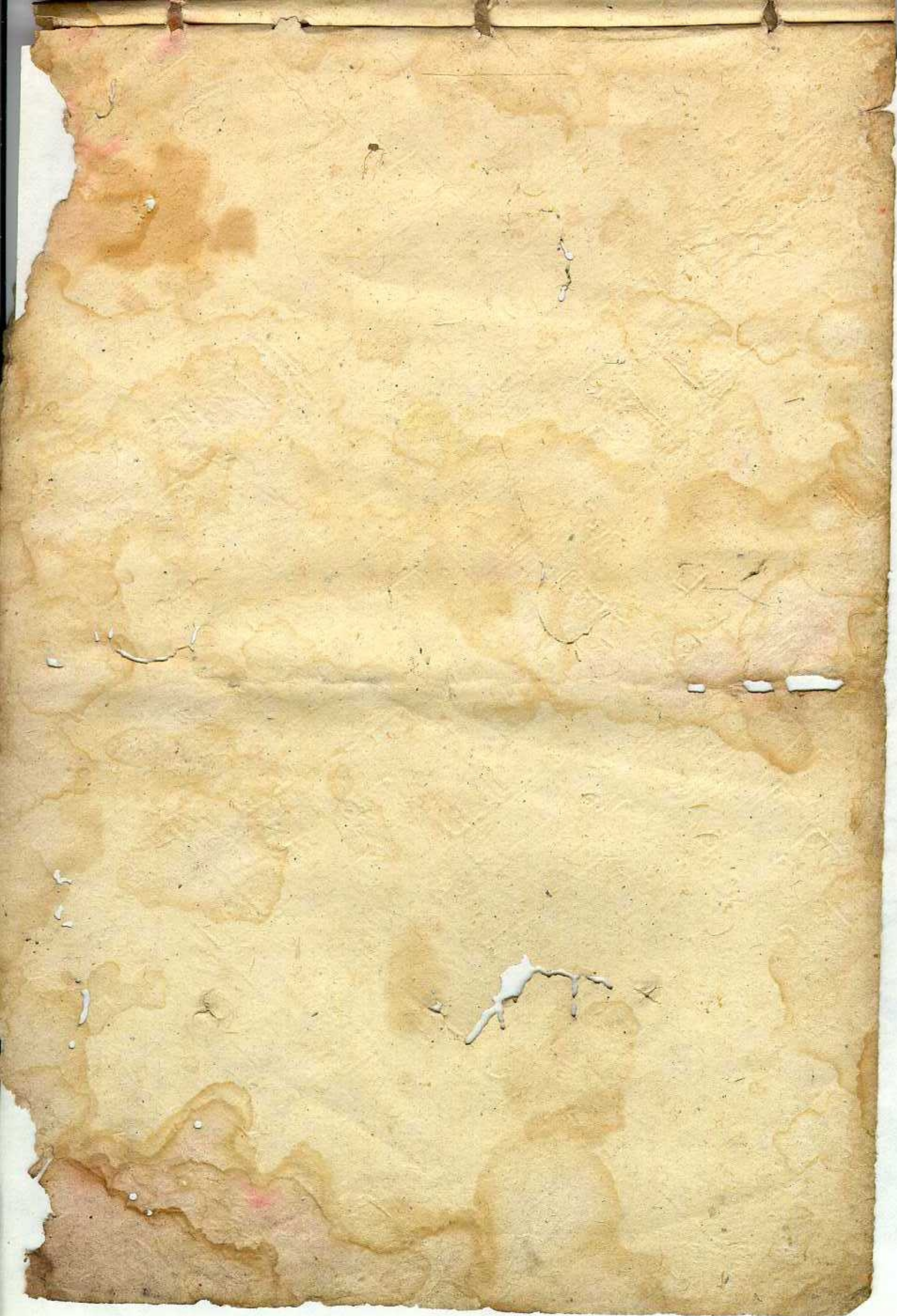


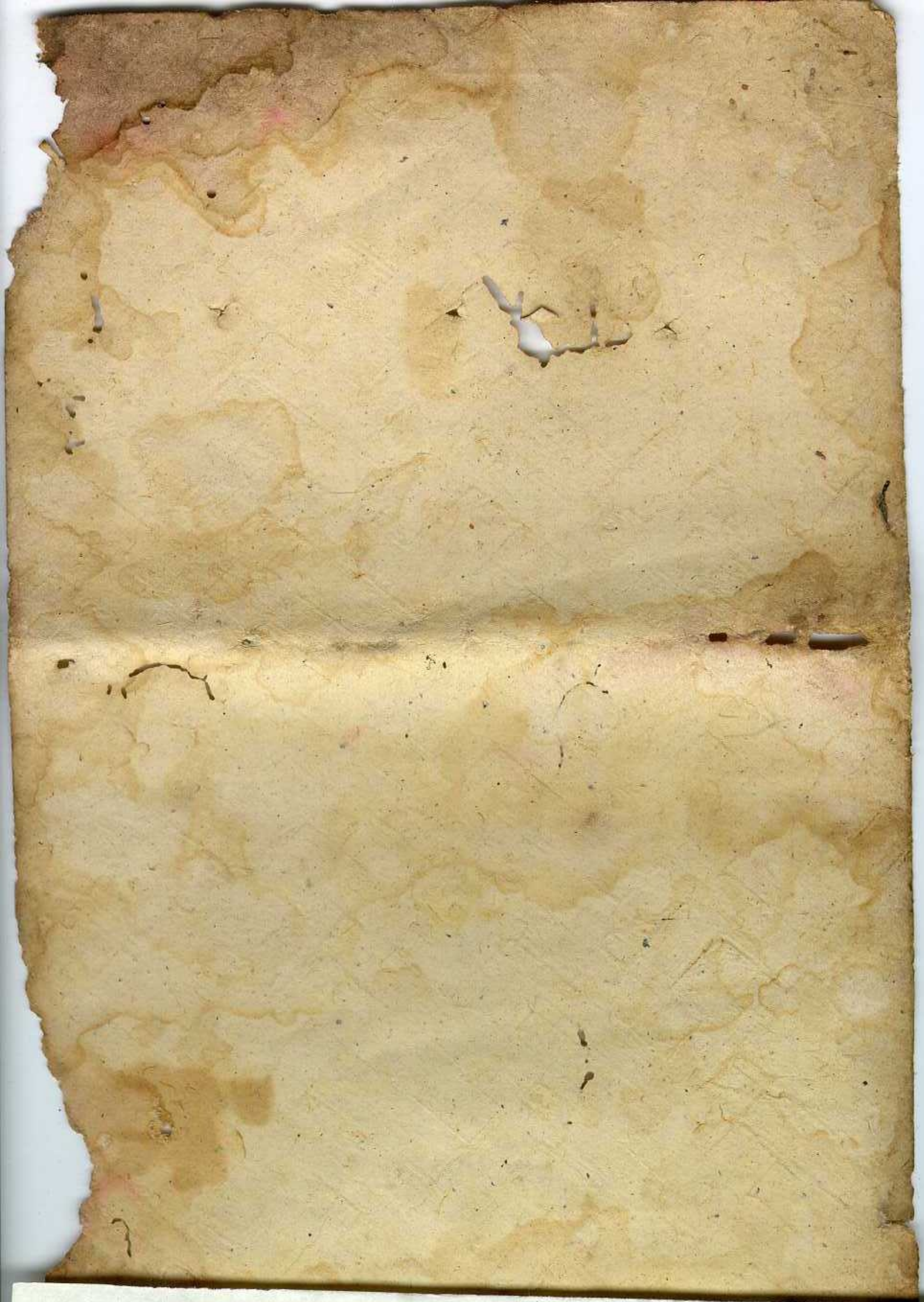














ASIA ARCHIVES

2437

सिद्धार्थ